



॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली-110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। - अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-12 मार्गशीर्ष-2078 दयानन्दाब्द 198 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2021 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु. प्रकाशित: 16.11.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoo.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 312वां वेबिनार सम्पन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य जी का जन्मोत्सव सौल्लास सम्पन्न

अनिल आर्य का व्यक्तित्व सबको आकर्षित करता है - योगेश वर्मा (नेता सदन एन एम सी डी)
अनिल आर्य की कर्मठता अवरिल निरंतर है - डॉ. महेन्द्र नागपाल (पूर्व विधायक)



रविवार 14 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल आर्य के जन्मोत्सव पर आर्य समाज अशोक विहार फेज-1, दिल्ली में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता प्रेम सचदेवा ने की। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने अपने संदेश में कहा कि समाजसेवा और परहित की भावना के साथ आप कार्य कर रहे हैं आपके सद प्रयासों को नमन है। बीजीपी नेता योगेश वर्मा (नेता सदन, एन एम सी डी) ने कहा कि अनिल आर्य जी को मैं पिछले 30 वर्षों से देख रहा हूँ उनकी कार्य करने की शैली बेमिसाल है, आपका व्यक्तित्व सबको अपना बना लेता है। पूर्व विधायक डॉ. महेन्द्र नागपाल ने कहा कि आपकी कर्मठता लोगों को जोड़ने की कला अदभुत है। जिस कार्य को संभालते हैं उसे सफल करते हैं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि अनिल आर्य जी से सामाजिक कार्य करने की हम सब प्रेरणा लेते हैं। निगम पार्षद मंजू खंडेलवाल व आजादपुर सब्जी मंडी के नेता सुरेंद्र कोहली ने भी बेजोड़ व्यक्तित्व का धनी बताया। आर्य गायक नरेन्द्र आर्य सुमन व प्रवीन आर्या के मधुर संगीत पर सब झूम रहे थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दुर्गेश आर्य ने किया। आर्य नेता जीवन लाल आर्य, धर्मपाल परमार (पी एम ओ), ओम सपरा, लायन प्रमोद सपरा, नरेंद्र गांधी, वेद प्रकाश, विनोद कालरा, संजीव महाजन, अरुण आर्य, सुरेश आर्य, के. के. सेठी, गोपाल आर्य, वेदप्रकाश आर्य, यशोवीर आर्य, देवमित्र आर्य, उषा आहूजा, राजकुमार भंडारी, सोहन लाल आर्य, सतीश नागपाल, महेन्द्र नागपाल, नेत्रपाल आर्य, सत्यपाल गांधी, डिम्पल भंडारी, संजय आर्य, वेद खट्टर, हरिओम दलाल, बृजमोहन गर्ग, समीर सहगल, राजरानी अग्रवाल, राकेश आर्य, कविता आर्या आदि ने अपनी शुभकामनाओं के साथ दीर्घ आयु व स्वस्थ जीवन के लिए कामना की।

एमिटी शिक्षण संस्थान नोएडा के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार चौहान ने भी शुभकामनाएं प्रदान की। वैदिक विद्वान आचार्य नरेन्द्र मैत्रीय, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य सतीश शास्त्री के प्रवचन हुए। कर्मठ कार्यकर्ता देवेन्द्र भगत, विक्रांत चौधरी, अरुण आर्य, माधवसिंह, शिवम मिश्रा, वरुण आर्य, प्रदीप आर्य, संतोष शास्त्री, संजय शर्मा, वंदना कोहली, सुनील खुराना, सुदेश भगत, रामचंद्र सिंह आदि व्यवस्था संभाल रहे थे। कोरोना गो उत्सव के रूप में कार्यक्रम अत्यंत उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा के दूर दूर से सैकड़ों लोगों ने पहुंच कर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।



‘ऋतु परिवर्तन में स्वास्थ्य रक्षा’ पर गोष्ठी सम्पन्न

ऋतु परिवर्तन में सावधानी आवश्यक है –डॉ. सुषमा आर्या

शुक्रवार 12 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘ऋतु परिवर्तन में स्वास्थ्य रक्षा’ पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 312 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ.सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्य) ने कहा कि बदलते मौसम में सावधानी रखना आवश्यक है। ऋतु परिवर्तन होने पर विशेषतः शीत ऋतु के आगमन पर उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करने पड़ते हैं आयु के साथ कमजोर हुआ शरीर सर्दी के कारण उच्च रक्तचाप, कर्ण रोग, शुगर, हृदय रोग कब्ज रोग, मानसिक तनाव, नींद की समस्या, नशा आदि करने का शिकार हो सकता है। उससे भी भयानक बीमारियां असावधानी से जकड़ सकती हैं। सर्दियों में अत्यंत सावधान रहने की आवश्यकता है खान-पान पर विशेष ध्यान, नियमित व्यायाम, 40 वर्ष के बाद रूटीन चेकअप, चारों आश्रमों का पालन करने से व्यक्ति दीर्घायु को पा सकता है। अलसी के तेल से मालिश और सेवन, कलौंजी के तेल का सेवन, भीगे हुए काले अंकुरित चने, कच्ची हल्दी, अदरक आदि का सेवन प्रतिदिन करना चाहिए एक बहुत लाभदायक पाउडर है जो घर में बना कर रखना चाहिए। ढाई सौ ग्राम मेथी दाना, 100 ग्राम अजवाइन, 50 ग्राम काली जीरी इनको हल्का भून कर पाउडर बनाकर रख लेना चाहिए रात को सोते समय आधा चम्मच गर्म पानी के साथ पाउडर लेना चाहिए इससे गठिया, झुर्रियां पड़ना आंखों के रोग, वात रोग, कब्ज से मुक्ति, दांत मजबूत, शुगर आदि बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है सावधानी जो दवाई आपकी पहले चल रही है उसे बंद नहीं करना है अतिरिक्त औषधि के रूप में यह पाउडर अवश्य सहायक सिद्ध होगा। नींबू, बथुआ, पालक अर्थात् मौसमी फल और सब्जियों के सूप जीवन रक्षक हो सकते हैं। चेहरा इन दिनों खुश्क हो जाता है चेहरे और त्वचा की देखभाल के लिए विटामिन ई अथवा सी के 4 कैप्सूल अथवा गोली, दो चम्मच ग्लिसरीन, दो चम्मच गुलाब जल और एलोवेरा का जैल मिलाकर रख लें इसे चेहरे पर लगाएं। चेहरा खिला रहे गा प्रतिदिन स्नान अवश्य करें और ठंडे पानी के सेवन से बचें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के जन्मदिन पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनका जीवन समाज सेवा का एक उदाहरण है, उन्होंने युवा निर्माण, शिविर, बहुकुण्डय विराट यज्ञ, राष्ट्रीय मुद्दों पर धरने प्रदर्शन कर एक जागरूकता का नया। इतिहास लिखा है। आर्य नेत्री प्रेम नरुला ने अनिल आर्य को कर्म योगी की उपाधि दी और प्रेरणा स्रोत बताया। आर्य नेता भारत सचदेवा ने अध्यक्षता की।



‘स्वराज्य का अर्चन’ पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वराज्य अर्चन से प्राचीन गौरव को प्राप्त करे –नरेन्द्र आहूजा विवेक
महर्षि दयानंद स्वराज्य के प्रथम उदघोषक थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

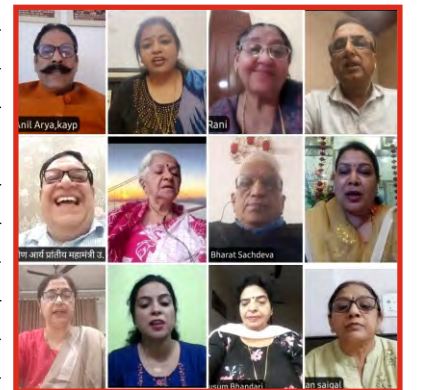
बुधवार 10 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘स्वराज्य का अर्चन’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 311 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता हरियाणा के राज्य औषधि नियन्त्रक व हरियाणा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रदेश प्रभारी आचार्य नरेन्द्र आहूजा विवेक ने ऋग्वेद के मन्त्र की व्याख्या करते हुए स्वराज्य शब्द का अर्थ बताया कि अपनी देह अपनी भूमि अपने राष्ट्र पर अपना अधिकार अपना राज्य ही स्वराज्य है। स्वराज्य अपना जन्म सिद्ध अधिकार ही नहीं अपितु ईश्वर प्रदत्त अधिकार है। वेद दास्ता या गुलामी का पोषण नहीं करता। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर हम स्वराज्य का अर्चन वेद की ऋचाओं से करें और अपने प्राचीन वैभव को प्राप्त करें। अर्चन शब्द में पूजन वन्दन वर्धन समर्पण सत्कार यश प्रतिष्ठा मान सम्मान गौरव एवं बल की वृद्धि सब आता है। हम स्वराज्य के अर्चन में शारिरिक आत्मिक सामाजिक उन्नति, सर्वांगीण विकास आत्मविश्वास साहस शौर्य से बाधाओं को दूर करते हुए दृढ संकल्प स्थिर बुद्धि से निर्भय होकर लक्ष्य पाना अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारना और असुरों दुष्टों एवं दुष्ट मनोवृत्ति का हनन करते हुए प्रजा पर नियंत्रण रख कर राष्ट्रीय प्रगति में प्रेरित करना ही स्वराज्य का अर्चन कहलाता है। राष्ट्र की रक्षा के लिए आयुद्ध राफेल विमान चिनूक हेलीकॉप्टर पनडुब्बी आदि लेना स्वराज्य का अर्चन कहलाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद स्वराज्य के प्रथम उदघोषक थे, महर्षि दयानंद ने कहा था कि कोई कितना भी करे परंतु स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। आज हमें राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना है और राष्ट्र विरोधी ताकतों को मुंह तोड़ जवाब देना है। मुख्य अतिथि आर्य नेता संजीव बजाज व अध्यक्ष कुँवरपाल श्री ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि युवाओं में राष्ट्र समर्पण भावना जाग्रत करने की आवश्यकता है।



‘हम अच्छे क्यों बनें’ पर गोष्ठी सम्पन्न

अच्छाई मानव समाज की आवश्यकता है –श्रुति सेतिया
अच्छाई जीवन की नींव है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 8 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘हम अच्छे क्यों बनें’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 310 वां वेबिनार था। योगाचार्य श्रुति विजय सेतिया ने कहा कि हमारे अच्छे बनने से परिवार व समाज अच्छा बनता है। आज मनुष्य का जीवन इतना उलझ गया है कि हमें जीवन के मूल उद्देश्य का ही ज्ञान नहीं रहा। इस उलझन में हम यह समझ बैठे हैं कि अच्छे बने रहने से जीवन में कोई लाभ नहीं है। अच्छा होना सौभाग्य की बात है और किसी भी परिस्थिति में यह मजबूरी नहीं मजबूती है। मनुष्य ने जैसे-जैसे विकास किया व समाज का निर्माण हुआ, वैसे-वैसे उसे जीवन के नियमों की आवश्यकता पड़ी। यह नियम उसे धर्म के रूप में मिले। उन नियमों को हम जीवन मूल सिद्धांत कह सकते हैं। मेरे विचार से जीवन के इन मूल सिद्धांतों का पालन करना ही अच्छाई है। इस प्रकार अच्छाई किसी व्यक्ति विशेष का गुण ना होकर मानव समाज की आवश्यकता है। यह वह गुण है जो ना केवल मानव समाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए आवश्यक है, बल्कि व्यक्ति के स्वयं के सुख के लिए भी आवश्यक है। सुख की प्राप्ति ही मानव जीवन का लक्ष्य है और सुख एक प्रकार की मानसिक स्थिति है, और मानव को जीवन में वह मानसिक स्थिति अगर प्राप्त करनी है तो हमें वही मार्ग अपनाना चाहिए जिसमें हम पूरी ईमानदारी का परिचय दें। किसी प्रकार की चालाकी ना दिखाएं। सुख वाली मानसिक स्थिति में पहुंचने के लिए हमें अच्छाई का मार्ग अपनाना ही होगा। अच्छाई के मार्ग पर चलते हुए किसी को हानि न पहुंचे। यदि समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तो हमें स्थिति का पूर्ण दृढ़ता के साथ विरोध करना चाहिए। यदि जीवन का लक्ष्य प्राप्त करना है तो अच्छाई के मार्ग पर दृढ़ता के साथ चलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि अच्छा होना यानी परिवार व समाज के अनुशासन व नियमों का पालन करना ही समाज की नींव है। व्यक्ति समाज की नींव है और व्यक्ति व्यक्ति के निर्माण से समाज का निर्माण होता है अतः मनुष्य को चाहिए कि सामाजिक नियमों व मर्यादाओं का पालन करते हुए अच्छा इंसान बने। मुख्य अतिथि संजय सेतिया (आल आउट ग्रुप) व आर्य नेत्री शोभा सेतिया ने कहा कि वेद भी कहता है मनुर्भव यानी मनुष्य बन। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि पहले हम सुधरे फिर जग का सुधार करें। गायिका दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, कुसुम भंडारी, किरण सहगल, भारत सचदेवा, ईश्वर देवी, वीना आर्या, अशोक गुगलानी, आशा आर्या आदि ने मधुर भजन सुनाये।



‘दीप से दीप जले’ आर्य गोष्ठी सम्पन्न

परोपकार व पुण्य कार्यों से प्रकाश का दीप जलाये –विमलेश बंसल दर्शनाचार्य
व्यक्ति के जीवन से दीप जलना चाहिए –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 2 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘दीप से दीप जले’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 307 वा वेबिनार था। वैदिक विदुषी दर्शनाचार्या विमलेश बंसल ने पंच दिवसीय प्रकाश पर्व ‘दीपावली’ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी ईश्वर प्रदत्त मनुष्य रूप में माटी के दीप हैं जिसमें आत्मा रूपी ज्योति जल जल रही है किंतु उस ज्योति का जलना तभी तक है जब तक दीया मजबूत और सुरक्षित है अर्थात् तन स्वस्थ है किंतु स्वस्थ शरीर को प्राप्त करके भी यदि मन को शिवमय विचारों से और आत्मा को ध्यान उपासना से बलिष्ठ नहीं किया तब तक ज्योति जलती हुई भी धुआंदांर है अर्थात् अप्रकाशित है। अतः आत्मा को विवेक के घृत से प्रज्वलित रख वैराग्य के अभ्यास से पुष्ट कर योगी बन अनका नेक अविद्या में रत,अभाव में रत,अन्याय से पीड़ित,शोषित,मनुष्य रूपी दीपों को प्रखर जलाने अर्थात् प्रकाशित करने ही आया है यह दीपावली का पर्व। महर्षि दयानन्द की जलाई मशाल को अर्थात् परोपकार के कार्यों को हाथ में लेकर पुण्य कार्यों को तब तक लेकर आगे बढ़ना होगा, जब तक हम सभी दीप प्रदीप्त न हो जाएँ, चारों ओर प्रकाश न फैल जाए। हमारी भूमि हमारे मन्दिर, हमारा स्वास्थ्य, हमारी सम्पदा, हमारी संस्कृति हमारी गौ माता, इत्यादि सब ही तो हमारे धन हैं इन सभी धनों से हम सभी सुख-सौभाग्य, समृद्धि, शांति आनन्द को प्राप्त करें, सभी को भौतिक और आध्यात्मिक ऐश्वर्य प्राप्त हो, कहीं भी अन्न, रूप, ज्ञान, बल आनन्द रूपी धन की कोई कमी न हो यही शुभकामना बधाई व प्रेरणा देने आया है यह प्रकाश पर्व दीपावली। आओ दिया जलाएं- प्रेम का, करुणा का, मैत्री का, ज्ञान का। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में उसके कर्मों से सुगंध आनी चाहिए। यदि आपकी उपस्थिति मात्र से किसी को प्रसन्नता मिले यही आदर्श जीवन है। जो आपके पास है उसे समाज के लिए समर्पित कर देना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री इंदुबाला सिंह ने कहा कि महर्षि दयानन्द यदि न आते तो महिलाओं को सम्मान न मिलता नारी शक्ति के उत्थान में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। अध्यक्ष राजेश मेहंदीरत्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने महर्षि दयानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। गायिका दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, प्रवीना ठक्कर, वीरेन्द्र आहूजा, मिथिलेश गौड़, ईश्वर देवी, जनक अरोड़ा, रामदेवी मदान आदि ने मधुर भजन सुनाये। प्रमुख रूप से महेन्द्र भाई, ओम सपरा, प्रतिभा कटारिया, सुरेंद्र शास्त्री, आस्था आर्या, कमलेश चांदना, विमला आहूजा आदि उपस्थित थे।



मुख्य अतिथि आर्य नेत्री इंदुबाला सिंह ने कहा कि महर्षि दयानन्द यदि न आते तो महिलाओं को सम्मान न मिलता नारी शक्ति के उत्थान में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। अध्यक्ष राजेश मेहंदीरत्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने महर्षि दयानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। गायिका दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, प्रवीना ठक्कर, वीरेन्द्र आहूजा, मिथिलेश गौड़, ईश्वर देवी, जनक अरोड़ा, रामदेवी मदान आदि ने मधुर भजन सुनाये। प्रमुख रूप से महेन्द्र भाई, ओम सपरा, प्रतिभा कटारिया, सुरेंद्र शास्त्री, आस्था आर्या, कमलेश चांदना, विमला आहूजा आदि उपस्थित थे।

138 वां महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

नारी जाति पर ऋषि दयानन्द के अनेको उपकार –संध्या बजाज एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट
ऋषि दयानन्द का बलिदान सदियों तक मार्ग प्रशस्त करता रहेगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 4 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का 138 वा बलिदान दिवस ऑनलाइन सोल्लास मनाया गया। उल्लेखनीय है कि दीपावली के दिन 1883 को उनका बलिदान हुआ था। यह कॅरोना काल में 308 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी का बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। विष पीकर जग मरता, तुम अमर हुए हो विष पीकर। महर्षि दयानन्द सरस्वती समग्र क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने वेदों की पुनर्स्थापना की और सामाजिक कुरृतियों के विरुद्ध जनजागरण किया। समाज में फैले अधविश्वास, पाखण्ड व कुरृतियों पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने लोगो के सोचने की दिशा ही बदल डाली। महर्षि दयानन्द नारी जाति की शिक्षा वेदों के पठन पाठन पर जोर दिया। उनका मानना था कि कोई कितना ही करे परंतु स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। मुख्य अतिथि संध्या बजाज (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट) ने कहा कि नारी जाति पर ऋषि दयानन्द के अनेको उपकार हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं यह उन्हीं की कृपा है। वैदिक साधन आश्रम देहरादून के कोषाध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि महर्षि दयानन्द के ऋण से हम कभी उऋण नहीं हो सकते। उनका देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा, अनेको क्रांतिकारी उनसे प्रेरणा पाकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। पुरातन भारतीय संस्कृति के उत्थान के लिए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया। अध्यक्ष नरेन्द्र साहनी (प्रधान, आर्य समाज मैसूरी) ने धन्यवाद ज्ञापन देकर उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया।



महर्षि दयानन्द स्मृति ‘गीत-संगीत माला’ सम्पन्न

महर्षि दयानन्द ने सोये हुए समाज को जगाया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 5 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में गीत संगीत कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 309 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने सोये हुए समाज को जगाया। हिन्दू समाज गहरी नींद में सोया था। उन्होंने लोगो को तर्क व विचार शक्ति देकर उनके सोचने व समझने की दिशा ही बदल डाली। वह एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज में फैली कुरृतियों पर सीधा प्रहार किया जिसके लिए साहस की आवश्यकता होती है। वह एक निर्भीक सन्यासी थे उन्होंने आर्य समाज की स्थापना कर इस आंदोलन को गतिमान रखा। उनके उपकारों को शब्दों में बांधना मुश्किल है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि स्वामी जी की स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य भूमिका रही। सी ए नरेश खन्ना व सुदेशवीर आर्य ने भी उनके सामाजिक व राष्ट्रीय योगदान की चर्चा करते हुए अपनी श्रद्धाजलि अर्पित की। गायिका दीप्ति सपरा, ऋचा गुप्ता, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, विजय लक्ष्मी आर्या, डॉ. (कर्मल) विपिन खेड़ा, रविन्द्र गुप्ता, वीरेन्द्र आहूजा, नरेशप्रसाद आर्य, ईश्वर देवी, रेखा गौतम, जनक अरोड़ा, विककी व आसिफ, प्रतिभा कटारिया, कविता आर्या, कमला हंस, संतोष शर्मा आदि सुन्दर गीत प्रस्तुत किये। प्रमुख रूप से यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह आर्य, डॉ. रचना चावला, रचना वर्मा, उर्मिला आर्या, आस्था आर्या, वेद प्रकाश, मिथिलेश गौड़, वेद भगत आदि उपस्थित थे।



146 वीं लौहपुरुष सरदार पटेल जयंती सौल्लास सम्पन्न

अखण्ड भारत के शिल्पीकार थे सरदार पटेल –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
निर्भीकता व निर्णायकता के पर्याय थे सरदार पटेल – डॉ. गजराजसिंह आर्य

रविवार 31 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 146 वीं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर ऑनलाइन आर्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नाडियाड में 31 अक्टूबर, 1875 को हुआ था। संगठित भारत को बनाने में आपकी विशेष भूमिका मानी जाती है। सरदार पटेल को भारत की 565 रियासतों का विलय करके अखंड भारत के निर्माण के लिए याद किया जाता है। यह कोरोना काल में परिषद का 306 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सरदार पटेल स्पष्ट एवं निर्भीक वक्ता थे। स्वतन्त्रता के बाद उन्हें उपप्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री बनाया गया। गृहमंत्री होने के कारण रजवाड़ों के भारत में विलय का विषय उनके पास था। सभी रियासतों स्वेच्छा से भारत में विलीन हो गयीं थी, पर जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद ने टेढ़ा रुख दिखाया। सरदार की प्रेरणा से जूनागढ़ में जन विद्रोह हुआ और वह भारत में मिल गयी। हैदराबाद में आर्य समाज का आंदोलन व फिर पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया गया। यदि सरदार पटेल न होते तो हिंदुस्तान का वर्तमान रूप ऐसा न होता, हिंदुस्तान खण्ड खण्ड में विभाजित होता। रजवाड़ों रियासतों का हिंदुस्तान में विलय करने का श्रेय सरदार पटेल को ही जाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आजादी का मतलब समझे और राष्ट्र की एकता अखण्डता की रक्षा का संकल्प लें। देश की वर्तमान विषम परिस्थितियों में सरदार पटेल बहुत याद आते हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. गजराज सिंह आर्य ने कहा कि सरदार पटेल गंभीर चिन्तक, बहु आयामी, आदर्शवादी व व्यवहारिक व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्र के प्रति उनका प्रेम अद्वितीय था। वर्ष 1928 में गुजरात में बारडोली सत्याग्रह हुआ जिसका नेतृत्व वल्लभ भाई पटेल ने किया। उस समय प्रांतीय सरकार किसानों से भारी लगान वसूल रही थी। सरकार ने लगान में 30 फीसदी वृद्धि कर दी थी। जिसके चलते किसान बेहद परेशान थे। वल्लभ भाई पटेल ने सरकार की मनमानी का कड़ा विरोध किया। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को शरदार की उपाधि दी। अगर आजादी के बाद नेहरू की जगह प्रधानमंत्री सरदार पटेल बनते तो आज कश्मीर व अलगावाद की समस्या नहीं होती। कार्यक्रम अध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता रने कहा कि सरदार पटेल के विचार से व्यक्ति की अधिक अच्छाई उसके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिए। निडर होकर अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में सर्वदा आगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने पटेल की जगह नेहरू को प्रधान मंत्री बनवा कर अनर्थ किया। प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि भारत के राजनीतिक एकीकरण में लौहपुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। युवा गायिका रेखा गौतम, रेखा वर्मा, विजय खुल्लर, रेणु घई, कमलेश चांदना, वीरेन्द्र आहूजा, जनक अरोड़ा, विमला आहूजा, मधु खेड़ा, आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रूप से संजय सत्यार्थी, प्रेमप्रकाश शर्मा, विनय अग्रवाल, प्रवीणा ठक्कर, प्रवीण आर्या, ओमप्रकाश महेन्द्रू, राजेश चुघ, सत्यपाल आर्य, मीना अग्रवाल, आर्यन अग्रवाल, प्रतिभा कटारिया आदि उपस्थित थे।



‘त्योहारों में खान पान’ पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वाद के साथ सेहत का ध्यान रखें – प्रो. करुणा चांदना
घर का बना स्वास्थ्य वर्धक रहेगा – अनिल आर्य

शुक्रवार 29 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में त्योहारों में खान पान पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिससे आने वाले त्योहारों में स्वस्थ रह कर पर्व का आनन्द ले सकें। प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि त्योहारों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। बिना त्योहार के हमारा जीवन नीरस बन जाता है। त्योहार हमारे जीवन में उत्साह प्रसन्नता लाते हैं। हमारा जीवन उमंग से भर जाता है। भारत को पर्व और त्योहारों का देश कहा जाता है क्योंकि यह अनेकता में एकता का देश है। इसकी झलक हमें त्योहारों के अवसर पर मिलती है। बात त्योहारों की हो तो मन में बरबस ही भव्य आयोजन की छवि बन जाती है। परंतु कोरोना काल में त्योहार मनाना एक चुनौती के समान है। जैसा कि भारतीयों के अनुसार त्योहार का मतलब यानी मौज-मस्ती और ढेर सारे पकवान, मिठाई, तला चटपटा भोजन। लेकिन जब आप जुबान के चटकारे भरने लगते हैं तो सेहत का मिजाज बिगड़ने लगता है नतीजा त्योहार की खुमारी तो उतर जाती है। पर अफसोस रह जाता है तो क्यों ना इस बारी उत्सव के इस उत्साह में सतर्कता का दामन ना छोड़े। भीड़भाड़ वाले इलाकों में कोविड – एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पालन करें। खाने पीने पर नियंत्रण रखें, डिटॉक्स करें। बाहर की मिठाइयों और चॉकलेट, मिठे बंद डिब्बे वाले जूस ना पिए। इसकी जगह इस बार घर में ही मिठाई और पकवान बनाकर पोषण का तड़का लगाएं। आप देखेंगे कि सेहत और स्वाद की जुगलबंदी करने से त्योहार की खुशियां दुगनी हो गई हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हम अपने पर्वों को सदभावना, स्नेह से मनाये, इसकी पवित्रता का ध्यान रखें और घर के पकवानों का आनन्द ले। मुख्य अतिथि आर्य नेता आर पी सूरी व अध्यक्ष रचना वर्मा ने कहा कि खान पान की शुद्धता से जीवन को सुखी व स्वस्थ बनाये। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि शराब, मांसाहारी भोजन, नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। गायिका रजनी चुघ, कमलेश चांदना, मधु खेड़ा, विमला आहूजा, विजय खुल्लर, प्रतिभा कटारिया, विजयलक्ष्मी आर्या, रेणु घई, वीरेन्द्र आहूजा, जनक अरोड़ा, कुसुम भंडारी, बिन्दु मदान, रजनी गर्ग, ईश्वर देवी, दीप्ति सपरा, राज चावला आदि ने मधुर गीत प्रस्तुत किये।



जहां नहीं होता कभी विश्राम आर्य युवक परिषद है उसका नाम